

3 7
23

का पत्र हा

पत्रावली वकील ~~वैदनाथ~~ के मुलाकात के तिलक
लकी डाकडॉ पर मेरा ~~दु~~ रूप प्रकर ले। अर्थात्
मुलाकात सिद्ध है। मुला के ~~बिना~~ इतना ही डाकडॉ
पर प्राम का फार डाकडॉ नही है।
डाकडॉ पर प्राम को खासिय किता पाव है
पत्रावली तिलक मुला र होकर ~~अप~~ ले का
होकर वाकिल कसूर वे।

वि. ज्ञान/अ/म/ए



वि. ज्ञान/अ/म/ए

[Handwritten signature]



उपखण्ड अधिकारी, दांतारापगढ